अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन सहित सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ी

मुम्बई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर हैं। तेंदुलकर को संन्यास लिए एक दशक से भी अधिक समय जो गया है पर कोई भी खिलाड़ी उनके बनाये रनों के रिकार्ड के तोड़ नहीं पाया है। टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय तीनों प्रारूपों को मिलाकर, सचिन ने अपने 24 वर्ष के अद्वितीय करियर में कुल 34,357 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर भारत के ही अनुभवी विराट कोहली हैं, इसके बाद श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा, आस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के ही माहेला जयवर्धने का नंबर आता है। इस सभी ने विश्वक्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखाया है पर इसके बाद भी सचिन का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये हैं। इनमें से अब केवल विराट ही सक्रिय क्रिकेट हैं जो एकदिवसीय प्रारुप में खेल रहे हैं। ऐसे में अब केवल विराट के पास ही उनके रिकार्ड को तोड़ने का अवसर है।

गौरतलब है कि तेंदुलकर ने साल 1989 से 2013 के बीच भारत के लिए कुल 664 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। इनमें उन्होंने 782 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 74 बार नाबाद रहकर 48.52 की प्रभावशाली औसत से 34,357 रन बटोरे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 248 रन रहा। उनके नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक और 164 अर्धशतक दर्ज हैं, जो आज भी विश्व रिकार्ड हैं और उनकी अद्वितीय बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाते हैं। अपने करियर में उन्होंने 50,000 से अधिक गेंदों का सामना किया और उनके चार हजार से ज्यादा चौके तथा 264 छक्के लगाये।

वहीं विराट दूसरे नंबर पर हैं। वह सचिन के रिकार्ड के सबसे करीब पहुंचे है। वर्ष 2008 से अब तक अपने शानदार करियर में कोहली ने 562 मैचों की 629 पारियों में 91 बार नाबाद रहते हुए 52.71 की असाधारण औसत से 28,359 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 254 रन है। विराट के नाम 85 शतक और 148 अर्धशतक दर्ज हैं। 79.73 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने वाले विराट को आधुनिक क्रिकेट के सबसे सफल और प्रभावशाली बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, और उनके पास अभी भी सचिन के रिकार्ड को चुनौती देने का अवसर अवसर है।

तीसरे स्थान पर श्रीलंका के महान विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा हैं, जिन्होंने 2000 से 2015 के बीच 594 मैचों की 666 पारियों में 46.77 की औसत से 28,016 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 319 रन रहा। संगकारा ने 63 शतक और 153 अर्धशतक लगाए हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दो बार के विश्व कप विजेता पोंटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 1995 से 2012 तक 560 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 668 पारियों में 45.95 की औसत से 27,483 रन बनाए। पोंटिंग ने अपने करियर में 71 शतक और 146 अर्धशतक लगाएहै। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के एक और दिग्गज बल्लेबाज माहेला जयवर्धने हैं, जिन्होंने 1997 से 2015 तक 652 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 725 पारियों में 40.81 की औसत से 25,957 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष, प्रतिबंधों के बाद अर्कादी द्वोर्कोविच ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फिडे के अध्यक्ष अर्कादी द्वोर्कोविच के यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रतिबंध सूची में शामिल होने के बाद उनके पद से हटने के फैसले के पश्चात आनंद ने यह जिम्मेदारी संभाली है। फिडे ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि फिडे चार्टर के अनुच्छेद 19.2 के तहत उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक द्वोर्कोविच पर स्विट्जरलैंड और यूरोपीय संघ के लागू प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे। फिडे के नए अध्यक्ष का चुनाव सितंबर में होना है। फिडे ने अपने बयान में कहा कि संगठन ने द्वोर्कोविच के निर्णय को स्वीकार कर लिया है और अध्यक्ष के रूप में उनके सभी अधिकार, कर्तव्य और विशेषाधिकार निलंबित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही वे किसी भी रूप में फिडे या उसकी परिसंपत्तियों का संचालन या नियंत्रण नहीं कर सकेंगे। यूरोपीय संघ ने रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े मामलों में अपने 21वें प्रतिबंध पैकेज के तहत द्वोर्कोविच सहित 48 व्यक्तियों और 170 संस्थाओं को प्रतिबंध सूची में शामिल किया है। यह पिछले चार वर्षों में यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा प्रतिबंध पैकेज माना जा रहा है। रूस के पूर्व उप प्रधानमंत्री (2012-2018) रह चुके द्वोर्कोविच ने कहा कि वह यूरोपीय संघ के इस फैसले को सभी कानूनी माध्यमों से चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से अपने दायित्वों को निलंबित किया है ताकि फिडे के कामकाज पर किसी तरह का असर न पड़े। द्वोर्कोविच ने कहा, मुझे फिडे परिषद पर पूरा भरोसा है। मुझे विश्वास है कि परिषद और प्रशासन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए फिडे के टूर्नामेंटों, सामाजिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को निर्बाध रूप से जारी रखेंगे।

बांदा के मोहम्मद अर्श ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा के होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी मोहम्मद अर्श ने चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित योनैक्स-सनराइज अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर पुरुष युगल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। देशभर के शीर्ष खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मोहम्मद अर्श ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत और पूरे जनपद में खुशी की लहर है। खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और जनपदवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की है। मोहम्मद अर्श के पिता मो. अशफाक बांदा शहर के बलखंडी नाका क्षेत्र के निवासी हैं और फैशन टेलर का कार्य करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अर्श ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

ईसीबी ने 2027 एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी किया, 18 जून से ट्रेंट ब्रिज में शुरु होगी पुरुषों की टेस्ट सीरीज

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अगले साल 2027 में होने वाली एशेज सीरीज का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। जहां इंग्लैंड की पुरुष टीम अगले साल 18 जून से ट्रेंट ब्रिज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने एशेज अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 जून से हेडिंग्ले में करेगी। पुरुषों की पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 18 जून को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी। इसके बाद उसे लार्ड्स, एजबेस्टन और यूटिलिटा बाउल (साउथेम्प्टन) में खेलना है। इस प्रतिष्ठित सीरीज का समापन 29 जुलाई का द ओवल में होगा। यह सीरीज 29 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगी। वहीं इंग्लैंड की महिला टीम अपने एशेज अभियान की शुरुआत 24 जून को हेडिंग्ले में एक टेस्ट मैच के साथ करेगी। यह 2001 के बाद लीड्स में आयोजित होने वाला पहला महिला एशेज टेस्ट होगा, जिससे ये मुकाबला और भी खास बन जाएगा।

भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ ग्लास्गो कामनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज

ग्लास्गो,

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो स्थित हाइड्रो एरिना में गुरुवार रात रंगों, रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत संगम के बीच कामनवेल्थ गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। पारंपरिक स्कॉटिश संस्कृति और आधुनिक तकनीक के शानदार मेल ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया। हजारों दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों, आकर्षक दृश्य प्रभावों और खिलाड़ियों की शानदार परेड ने खेलों के महाकुंभ की बेहतरीन शुरुआत की।

समारोह की शुरुआत स्कॉटलैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के साथ हुई। देश के महानतम खिलाड़ियों में शुमार दिग्गज ट्रैक साइकिलिस्ट सर क्रिस होय और प्रसिद्ध अभिनेता ग्रेग मैकह्यू लोकप्रिय ब्रिटिश विज्ञान-कथा श्रृंखला डाक्टर हू के मशहूर टार्डिस बाक्स के माध्यम से मंच पर पहुंचे। इस दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। टार्डिस को इस बार स्काटलैंड की कहानी और विरासत को दुनिया तक पहुंचाने के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद संगीत, नृत्य और आधुनिक तकनीक का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने पूरे एरिना को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्काटिश इलेक्ट्रानिक फोक संगीतकारों वाल्टोस की धुनों पर तैयार विशेष साउंडट्रैक के बीच 74 राष्ट्रमंडल खेल संघों के खिलाड़ी एक-एक कर एरिना में प्रवेश करते गए। एलईडी स्क्रीन पर हर दल का परिचय दिया गया, जबकि स्काटलैंड की प्राकृतिक वनस्पतियों से प्रेरित रंग-बिरंगे एनिमेशन के जरिए राष्ट्रमंडल बैटन को

जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

मेजबान स्काटलैंड का दल सबसे आखिर में मैदान में उतरा और घरेलू दर्शकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उसका स्वागत किया। खिलाड़ियों की परेड ने पूरे समारोह का सबसे भावुक और आकर्षक पल पेश किया, जहां खेल भावना, एकता और राष्ट्रमंडल परिवार की विविधता साफ दिखाई दी।

उद्घाटन समारोह में स्काटलैंड की लोककथाओं और इतिहास को भी आधुनिक अंदाज में मंच पर उतारा गया। प्रसिद्ध लोच नेस मान्स्टर की कहानी से लेकर ग्लास्गो की पहचान मानी जाने वाली वायस आफ टाइम घड़ी तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों को स्काटलैंड की सांस्कृतिक यात्रा से रूबरू कराया। गायक नाथन इवांस के जोशीले प्रदर्शन, ग्लास्गो सेंट्रल स्टेशन पर आधारित रंगारंग नृत्य और शहर के जहाज निर्माण, वस्त्र उद्योग, रेल इंजन तथा भाप इंजनों की ऐतिहासिक विरासत को भी शानदार अंदाज में प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध गायक कैलम बीटी ने लोकप्रिय गीत यस सर, आई कैन बूगी की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि गायिका नीना नेसबिट ने वर्ष 1988 के चर्चित स्काटिश गीत आई एम गोना बी (500 माइल्स) को अपनी भावपूर्ण आवाज में प्रस्तुत कर पूरे माहौल को भावुक बना दिया। समारोह के दौरान कामनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और ग्लास्गो 2026 के चेयरमैन जार्ज ब्लैक ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल केवल खिलाड़ियों के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के खेल हैं और इनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से देशों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधना है। अंत में किंग चार्ल्स ने आधिकारिक रूप से कामनवेल्थ गेम्स 2026 के उद्घाटन की घोषणा की। इसके साथ ही 23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलने वाले इस बहु-खेल आयोजन का औपचारिक आगाज हो गया, जिसमें राष्ट्रमंडल के देशों के हजारों खिलाड़ी पदकों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

अर्जेंटीना के अनुभवी डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल को कहा अलविदा

ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के अनुभवी डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसके साथ ही 38 वर्षीय खिलाड़ी के 17 साल लंबे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। इस दौरान उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप और दो कोपा अमेरिका खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और चार फीफा विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व किया। वह हाल ही में अमेरिका में आयोजित फीफा विश्व कप 2026 में उपविजेता रही अर्जेंटीना टीम का भी हिस्सा थे। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों अतिरिक्त समय में 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

संन्यास की घोषणा करते हुए ओटामेंडी ने इंस्टाग्राम पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, मुझे अपने करियर के सबसे कठिन शब्द लिखने पड़ रहे हैं। किस्मत ने ऐसा लिखा कि मेरा आखिरी मैच विश्व कप फाइनल रहा। परिणाम हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि इस टीम ने आखिरी सेकंड तक अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अर्जेंटीना, मुझे विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद।

हाल ही में ओटामेंडी ने यूरोप में 16 साल का सफल करियर समाप्त करने के बाद अर्जेंटीना के दिग्गज क्लब रिवर प्लेट से जुड़ने का फैसला किया। यूरोप में उन्होंने पोर्टो, वेलेंसिया, मैनचेस्टर सिटी और बेनफिका जैसे बड़े क्लबों का प्रतिनिधित्व किया और कई यादगार सफलताएं हासिल कीं।

अपने मजबूत रक्षात्मक खेल, नेतृत्व क्षमता और जुझारू अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले ओटामेंडी को अर्जेंटीना फुटबाल के सबसे सफल डिफेंडरों में गिना जाता है। उनके संन्यास के साथ अर्जेंटीना फुटबाल के एक स्वर्णिम अध्याय का भी समापन हो गया।

इंग्लैंड में घरेलू वनडे क्रिकेट में होगा स्टोक्स और कुलदीप का मुकाबला

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू वनडे क्रिकेट में धमाकेदार वापसी करते हुए डरहम की ओर से नाबाद शतक लगाकर दिखाया है कि वह अभी भी एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वहीं अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें 31 जुलाई पर टिकी हैं, जब क्लिफ्टन पार्क ग्राउंड, यार्क में डरहम का सामना यार्कशायर से होगा। यह मुकाबला सिर्फ दो काउंटी टीमों के बीच की भिड़ंत नहीं होगी, बल्कि इसमें स्टोक्स का सामना भारतीय चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव से होगा। कुलदीप यादव के लिए यह टूर्नामेंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज में उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने के बावजूद एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, जिस पर कई क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने सवाल उठाए थे। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर काफी आलोचना भी हुई थी, क्योंकि वे अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में, वन-डे कप कुलदीप के लिए अपनी लय वापस पाने, अपनी गेंदबाजी का जौहर दिखाने और चयनकर्ताओं को यह याद दिलाने का एक सुनहरा मौका होगा कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में कितने प्रभावी हो सकते हैं। वह निश्चित रूप से यार्कशायर के लिए खेलते हुए अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे और आगामी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगे।

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष और महिला टीमों का विजयी अभियान जारी

मस्कट (ओमान)

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर महिला और पुरुष टीमों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। गुरुवार को खेले गए एलीट पूल के मुकाबलों में भारतीय महिला टीम ने कजाकिस्तान को 10-0 से रौंद दिया, जबकि पुरुष टीम ने बांग्लादेश को 8-3 से हराकर लगातार जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

महिला वर्ग में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। नौशीन नाज़ ने मुकाबले के पहले ही मिनट में लगातार दो गोल दागकर भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ आगे रही, लेकिन दूसरे हाफ में उसने खेल की रफ्तार और तेज करते हुए आठ और गोल दागकर कजाकिस्तान को पूरी तरह मुकाबले से बाहर कर दिया।

प्लेयर आफ द मैच संदीपा कुमारी ने 11वें, 16वें और 18वें मिनट में गोल कर हैट्रिक पूरी की। नौशीन नाज़ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1वें, 1वें, 15वें और 20वें मिनट में चार गोल दागे। इसके अलावा किरण एक्का (15वें), नीलम टोपनो (17वें) और पुष्पा मांझी (19वें मिनट) ने भी गोल कर भारत की एकतरफा जीत

सुनिश्चित की।

पुरुष वर्ग में भारत और बांग्लादेश के बीच पहले हाफ में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय कप्तान और प्लेयर आफ द मैच केतन कुशवाहा ने चौथे और आठवें मिनट में दो गोल किए, जबकि शाहरुख अली ने तीसरे मिनट में एक गोल कर भारत को 3-2 की बढ़त दिलाई। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद होसेन (6वें) और सोहराब सोटोन (8वें मिनट) ने गोल कर मुकाबला रोमांचक बनाए रखा। दूसरे हाफ में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। केतन कुशवाहा ने 12वें और 15वें मिनट में दो और गोल कर अपनी चार गोल की उपलब्धि पूरी की। वहीं रोमित पाल (13वें), प्रहलाद राजभर (14वें) और राहुल यादव (18वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। बांग्लादेश की ओर से सोहराब सोटोन ने 11वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके।

श्रेयस अय्यर शुरुआती 8 मैचों में लगातर टास जीतने वाले विश्व के पहले कप्तान बने

हरारे

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ यहां पहले ही मैच में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस मैच में टास जीतते ही श्रेयस शुरुआती आठ मैचों में में टास जीतने वाले पहले भारत और विश्व क्रिकेट के पहले कप्तान बन गये हैं। किसी अन्य कप्तान के नाम ये रिकार्ड नहीं है।

इस अनूठी उपलब्धि के साथ ही उन्होंने बहामास के ग्रेगरी टेलर का रिकार्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले टेलर ने बतौर कप्तान अपने शुरुआती टी20 मैचों में टास जीते थे।

गौरतलब है कि सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही श्रेयस अय्यर का अब तक का सफर मैच परिणाम की नजर से भले ही अच्छा नहीं रहा है पर टास हमेशा उन्होंने ही जीता है। इसकी शुरुआत आयरलैंड दौरे से हुई थी, जहां बेलफास्ट में उन्होंने दो बार टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। इसके

बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के कड़े दौरे पर पहुंची, जहां इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक के खिलाफ भी श्रेयस ने ही टास जीते। चेस्टर-ले-स्ट्रीट, मैनचेस्टर, नाटिंघम, ब्रिस्टल और साउथैम्पटन में लगातार पांचों मैचों में टास जीतकर श्रेयस ने सीरीज अपने नाम की।

श्रेयस अय्यर की यह उपलब्धि सिर्फ टी20 फार्मेट तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 मिलाकर) के 88 साल पुराने एक ऐतिहासिक रिकार्ड की बराबरी भी कर ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर कप्तान अपने डेब्यू के बाद से लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने के मामले में अय्यर अब इंग्लैंड के महान खिलाड़ी वाली हैमंड की बराबर पर आ खड़े हुए हैं, जिन्होंने 1938 में बतौर कप्तान अपने शुरुआती 8 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टास जीते थे। इस सूची में श्रेयस और वाली हैमंड के बाद बहामास के ग्रेगरी टेलर (7 टास) और पाकिस्तान के शादाब खान (5 टास) का नंबर आता है।

वहीं भारत की बात की जाये तो टी20 प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने का रिकार्ड अब तक पूर्व दिग्गज कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम दर्ज था, जिन्होंने मई 2010 से फरवरी 2012 के बीच बतौर भारतीय टी20 कप्तान लगातार 7 टास जीते थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ आठवां टास जीतते ही श्रेयस ने धोनी के इस 14 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया और भारत के सबसे सफल टास-विजेता कप्तान बन गए। अब उनकी नजर पूर्ण सदस्य देशों के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने के विश्व रिकार्ड पर है। ये रिकार्ड अभी वेस्टइंडीज के दो बार के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान डैरेन सैमी के नाम है, जिन्होंने लगातार 10 टास जीते थे।